

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 2 अगस्त 2026

मरीजों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ►►महेन्द्रगढ़

नई व्यवस्था के तहत सरकारी अस्पताल में बेड की संख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़ा दी गई है। साथ ही भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए मरीजों की सुविधा के लिए इमरजेंसी और गायनी वार्ड को पूरी तरह एयरकंडीशंड बनाया गया है। इस पहल से न केवल मरीजों को बेहतर उपचार वातावरण मिलेगा, बल्कि अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों को भी काफी राहत मिलेगी।

अस्पताल प्रशासन ने भवन की उपलब्ध जगह का बेहतर उपयोग करते हुए विभिन्न वार्डों का पुनर्गठन किया है। कोरोना महामारी के दौरान तैयार

महेन्द्रगढ़ अस्पताल : बेड क्षमता 27 से बढ़कर 59, इमरजेंसी और गायनी वार्ड पूरी तरह एसी

किए गए 20 बेड के फाइबर वार्ड का अब नया स्वरूप दिया गया है। इस वार्ड को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस एयरकंडीशंड इमरजेंसी वार्ड में परिवर्तित कर दिया गया है। इससे पहले इमरजेंसी वार्ड में सीमित जगह होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब नए इमरजेंसी वार्ड के शुरू होने से अधिक संख्या में गंभीर मरीजों का उपचार एक साथ किया जा सकेगा और चिकित्सा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित होंगी। इसी क्रम में अस्पताल प्रशासन ने पुराने इमरजेंसी वार्ड के गेट नंबर दो को बंद कर उसके हिस्से को पूरी तरह एयरकंडीशंड गायनी वार्ड में बदल दिया है।



महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल का भवन।

फोटो: हरिभूमि

अब दो ऑपरेशन थिएटर, मरीजों को नहीं करना होगा इंतजार

अस्पताल में पहले केवल एक ही ओटी रूम होने के कारण डॉक्टरों और मरीजों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था। विशेषकर आर्थो के ऑपरेशन और नसबंदी, नलबंदी शिकिरो के दौरान भारी दबाव रहता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने अब दो नए ओटी रूम तैयार कर दिए हैं। राहत की बात यह है कि इन दोनों ओटी में एनिस्थीया मशीनें भी इंस्टॉल कर दी गई हैं। ऑपरेशन के बाद मरीजों की देखभाल के लिए दो स्पेशल रिकवरी रूम भी बनाए गए हैं, जिससे अब मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

मरीजों को भर्ती करने में पहले जैसी दिक्कत नहीं

अस्पताल में किए गए इस पुनर्गठन का एक और बड़ा लाभ सामान्य मरीजों को भी मिलेगा। प्रथम तल पर स्थित पुराने गायनी वार्ड को अब सामान्य वार्ड में परिवर्तित कर दिया गया है। इससे अस्पताल में अतिरिक्त मरीजों को भर्ती करने की सुविधा बढ़ गई है। पहले बेड की कमी के कारण कई बार मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर करना पड़ता था या फिर एक ही वार्ड में अधिक मरीजों को समायोजित करना पड़ता था। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को भर्ती करने में पहले जैसी दिक्कत नहीं आएगी। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि अस्पताल की बेड क्षमता में हुआ बड़ा इजाफा है। पहले अस्पताल में केवल 27 बेड उपलब्ध थे, जो मरीजों की बढ़ती संख्या के मुकाबले काफी कम थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब अस्पताल में कुल 59 बेड उपलब्ध हो गए हैं। यानी अस्पताल की क्षमता दोगुनी से भी अधिक बढ़ गई है। इससे जिले और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को सही लाभ मिलेगा तथा उन्हें बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा।

दोनों ओटी में एनेस्थीसिया मशीनें भी इंस्टॉल कर दी

सरकार की ओर से अस्पताल में बेहतर सुविधा दी जा रही है। दोनों ओटी में एनेस्थीसिया मशीनें भी इंस्टॉल कर दी गई हैं। अस्पताल में बेड क्षमता 27 से बढ़कर 59 कर दी है। इमरजेंसी व गायनी वार्ड पूरी तरह एसी युक्त की गए हैं। मरीजों को अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

—जयप्रकाश, एसएमओ नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़

खबर संक्षेप

कार एजेंसी का पत्थर मारकर तोड़ा शीशा

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर नेशनल हाईवे नंबर 11 व 152 डी की ओर जाने वाले रास्ते पर बनी एक कार एजेंसी पर रात को किसी ने पत्थर मारकर उसका शीशा तोड़ दिया। पत्थर मारने के बाद युवक वहां से भाग गया। मामले की जानकारी एजेंसी संचालक ने पुलिस को दी है। शहर के रेवाड़ी रोड पर कार की एजेंसी बनी हुई है। यहां पर रात के समय ड्यूटी करने के लिए चौकीदार लगाया हुआ है। बीती देर शाम को एजेंसी बंद करने के बाद सभी कर्मचारी अपने घर चले गए थे। शुक्रवार देर शाम लगभग आठ बजे एजेंसी के बाहर से किसी ने पत्थर मारे। जिसके कारण एजेंसी के मुख्य गेट पर लगे हुए शीशे में दरार आ गई। चौकीदार ने एजेंसी के मैनेजर व मालिक को सूचना दी।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का प्रदर्शन कल

नारनौल। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा सम्बंधित स्कोम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि तीन अगस्त मांगों को लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला सचिव सन्तोष ढिल्लो ने सभी कार्यकर्ता से 11 बजे पुराने लघु सचिवालय पार्क में पहुंचने की अपील की है।

घर से निकला युवक लापता, मामला दर्ज कनीना। सदर थाना अंतर्गत नांगल मोहनपुर से एक युवक लापता हो गया। इस बारे में रामबिलास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बुआ का बेटा पवन कुमार 27 जुलाई को दोपहर करीब ढाई बजे थोड़ी देर बाद घर लौटने की बात कहकर निकला था, जो वापस नहीं लौटा। परिजनों ने अपने स्तर उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अगस्त के अंतिम या सितम्बर के प्रथम सप्ताह में होगी जिलास्तरीय प्रतियोगिता

खंड स्तर पर युवा संसद स्पर्धा में टीमों का चयन अब विजेता टीमें जिला स्तर पर दिखाएंगी दम

हरिभूमि न्यूज ►►नारनौल

एससीईआरटी के निर्देशानुसार पर डाइट महेंद्रगढ़ ने जिले के पांचों खंडों में खंड स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा चुका है। इस प्रतियोगिता का परिणाम शनिवार को जारी भी कर दिया गया। प्रत्येक खंड से चयनित पांच-पांच विद्यार्थियों की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इनमें से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमें अब जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

डीआरयू विंग प्रभारी नरेश गोयल ने बताया कि खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय आगामी जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लेंगे।



नारनौल। युवा संसद में हिस्सा लेती शहबाजपुर स्कूल टीम।

(फाइल फोटो)

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन अगस्त माह के अंतिम सप्ताह अथवा सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में किया जाएगा। उन्होंने सभी विजेता टीमों को बधाई देते हुए तथा तार्किक अभिव्यक्ति का विकास करना है।

बेहतर तैयारी करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं, नेतृत्व क्षमता तथा तार्किक अभिव्यक्ति का विकास करना है।

हरिभूमि न्यूज ►►नारनौल

द्रामा सेंटर एवं जिला नागरिक अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को जल्द ही अस्पताल परिसर से बाहर खाने-पीने की वस्तुएं या दवाइयां लेने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। हरियाणा सरकार की नई पहल के तहत द्रामा सेंटर परिसर में अत्याधुनिक वीटा मिल्क पार्लर स्थापित किया जा रहा है, जहां जन औषधि केंद्र की तर्ज पर फार्मसी (मेडिकल स्टोर) भी संचालित होगी। दोनों सुविधाएं एक ही बूथ से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे मरीजों, तोमारदारों और अस्पताल कर्मियों को एक ही स्थान पर दूध, दुग्ध उत्पाद, हल्के खाद्य पदार्थों के साथ-साथ आवश्यक दवाइयां भी आसानी से मिल सकेंगी।

बता दें कि द्रामा सेंटर परिसर में इन दिनों मजदूर और मिस्त्री बूथ निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। निर्माण पूरा होने एवं बूथ अलौट होते ही यहां वीटा के उत्पादों की विक्री शुरू कर दी जाएगी। यह सुविधा अस्पताल परिसर की जरूरतों को देखते हुए तैयार की जा रही है, ताकि मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों को बार-बार अस्पताल से बाहर न जाना पड़े।

हरिभूमि न्यूज ►►नारनौल

नांगल चौधरी-निजामपुर रोड पर गांव लुजौता के पास शुक्रवार दोपहर हुए एक सड़क हादसे में रासस्थान निवासी एक युवक की जान चली गई। मृतक बहरोड़ की एक निजी वित्तीय कंपनी में सोनियर सेल्स एजीक्यूटिव के पद पर कार्यरत था। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलवर जिले के गांव नारौड़ी निवासी आशीष शर्मा ने शिकायत दी है कि वह और उसका भाई अमन शर्मा बहरोड़ स्थित एक निजी फाइनंस

कंपनी में कार्यरत थे। शुक्रवार को दोनों काम के सिलसिले में नांगल चौधरी आए थे। यहां से वे अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर निजामपुर की ओर जा रहे थे। अमन आगे चल रहा था, जबकि आशीष कुछ दूरी पर पीछे था। शिकायत में बताया गया है कि गांव लुजौता के समीप एक ट्रैक्टर अचानक कच्चे रास्ते से मुख्य सड़क पर आ गया। आरोप है कि चालक ने बिना किसी संकेत और सावधानी के ट्रैक्टर सड़क पर चढ़ा दिया, जिससे अमन की बाइक उसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी



कि अमन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आसपास के लोगों की मदद से घायल को तुरंत नागरिक अस्पताल नांगल चौधरी पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपित चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की जांच की जा रही है। अमन अपने पीछे पत्नी उर्मिला शर्मा, दो बेटियां और करीब डेढ़ वर्ष के एक पुत्र को छोड़ गए।

ट्रैक्टर की टक्कर से निजी कंपनी के अधिकारी की मौत

बिजली तार चोरी मामले में 2 आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ►►महेन्द्रगढ़

सीआईए टीम ने थाना सदर में दर्ज बिजली के तार चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा 33 केवी बिजली का तार 1500 मीटर तथा वादादत में प्रयुक्त दो पिकअप वाहन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस को पांच जुलाई को केईसी

■ **चोरीशुदा 33 केवी तार व दो वाहन बरामद**
इंटरनेशनल लिमिटेड में साइट सुरवाइजर के पद पर कार्यरत जगदम्बा प्रसाद निवासी ग्राम मढ़ी जिला झज्जर ने थाना सदर में शिकायत दी कि उनकी कंपनी द्वारा

गांव निहाली कोठल खुर्द से डी-3 से डी-4 लाइन पर 33 केवी विद्युत लाइन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। कार्य स्थल पर रखे लगभग 2500 मीटर 33 केवी कंडक्टर बिजली के तार तथा अन्य विद्युत सामग्री अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर ली गई। शिकायत पर थाना सदर ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीआईए टीम ने



महेंद्रगढ़। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

फोटो: हरिभूमि

तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए विनय निवासी फ्रांस खाना नारनौल तथा दीपक कुमार निवासी लेबर कॉलोनी भिवानी को ढाढोत से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जिला जेल नसीबपुर दखिल कराया गया।

आकोली में बिजली केबल ले गए चोर

नारनौल। नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के गांव आकोली में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में कई किसानों के ट्र्यूबकेलों को निशाना बनाते हुए बिजली की केबल चोरी कर ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव आकोली निवासी किसान हंसरज ने बताया कि वह 31 जुलाई की सुबह करीब आठ बजे अपने खेत स्थित ट्र्यूबकेल पर पहुंचा। वहां जाकर देखा, तो ट्र्यूबकेल से करीब 40 मीटर बिजली की केबल गायब थी। हंसरज ने आसपास जानकारी जुटाई तो पता चला कि उसके पड़ोसी किसानों विजयपाल, अतुप, अजय तथा कंवर सिंह के ट्र्यूबकेलों से भी बिजली की केबल चोरी हो गई है। किसानों का आरोप है कि अज्ञात चोरों ने सुनिश्चित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

SOMANY GROUP OF INSTITUTIONS www.somany.edu.in www.somanycollegeofpharmacy.in * Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy	
ADMISSIONS OPEN COURSES OFFERED	
SITIM Courses • B.Tech (CSE, ME, ECE, PT) • M.Tech (CSE, ME, ECE, PT) • BBA • BCA • MBA	SCP Courses • D.Pharm • B.Pharm Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26 ADMISSION HELPLINE 9541069998 01274-261239 9034717734 7082539268
Facilities • Experienced Faculty • Modern Infrastructure • Well Equipped Labs • Placement Assistance • Holistic Development	

खबर संक्षेप



पौधरोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ में शनिवार को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि के अवसर पर मिशन जनसंवा समिति द्वारा विशेष पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। माता भूरा भवानी मंदिर परिसर के पास स्थित पार्क व खेल मैदान में समिति के सदस्यों ने 11 छायादार, फूलदार और फलदार पौधे अमरुद, आंवला, अशोका, चम्पा लगाए। साथ ही पहले से लगाए गए सभी पौधों की खोदी कर उनमें पानी भी दिया गया, ताकि पौधे स्वस्थ रहें। मिशन जनसेवा समिति अध्यक्ष मुकेश चौहान ने कहा कि शहीदों और देशभक्तों की कुर्बानी को याद रखते हुए प्रकृति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम में समिति के सदस्य दीपक राव, संगीत, हितेश, अंश चौहान गोल् और सावित्री ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़। एएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस माधोगढ़ तथा लक्ष्मी नारायण मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल एंड ट्रॉमा सेंटर के द्वितीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को विशाल स्वेच्छक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। संस्था की चेयरपर्सन डॉ. अनु यादव ने बताया कि शिविर का आयोजन प्रातः नौ बजे से दोपहर दो बजे तक दाता राय ब्लड बैंक में किया जाएगा। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मिलास मोर्चा के जिला मंत्री संदीप मालडा उपस्थित रहेंगे।

सांस्कृतिक मर्यादाओं को संरक्षित करने का संकल्प लें युवा: राधेश्याम

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज >>> नांगल चौधरी

युवा ही समाज की जमापूंजी होती है, जिनके संस्कारों पर समाज व राष्ट्र की दिशा निर्भर रहती है। इसलिए युवाओं को जन्मदिन से सामाजिक कुरीतियों को मिटाने व सालगिरह पर सांस्कृतिक मर्यादाओं की पालना का संकल्प लेना अनिवार्य है।

उक्त विचार नांगल चौधरी इकाई के प्रधान राधेश्याम महात्मा ने सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित आयं समाज एवं वेद प्रचार मंडल के सम्मेलन में व्यक्त किए। कार्यक्रम में संस्था चेयरमैन दयाराम यादव के पौत्र अक्षत यादव ने जन्मदिन के अवसर पर 50 फलदार पौधारोपण करके देखभाल करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आधुनिकता में समावेशित होकर विभिन्न कुरीतियां समाज में



नारनौल। एचपीएस स्कूल के विजेता विद्यार्थी।

फोटो: हरिभूमि

एचपीएस के खिलाड़ियों ने रचा नया इतिहास

नारनौल। हरियाणा पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने सोमवार से शनिवार तक आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में बेहततर प्रदर्शन करते हुए कुल 52 पदक (29 स्वर्ण, 14 रजत व नौ कांस्य) अपने नाम किए। ताइक्वांडो में 13 स्वर्ण, तीन रजत, दो कांस्य, युश्ू में छह स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य, योग में छह स्वर्ण, छह रजत, पांच कांस्य, स्केटिंग में एक रजत, एक कांस्य, तीरंदाजी में एक स्वर्ण, दो रजत, जूडो-काराटे में तीन स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रदर्शन के दम पर 13 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रबंधन समिति की ओर से सम्मान-समारोह आयोजित कर सभी विजेता खिलाड़ियों व उनके कोचों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा, डीन मनोज भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय शिक्षा व खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट मंच देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उच्चतर शिक्षा निदेशालय को नोटिस

कॉलेज ग्राउंड पर मालिकाना हक की सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पीटीशन दायर

याचिका डिसमिस

■ पुरानी बिल्डिंग डिमोलिशन करने से कॉलेज में 5 साल से व्यवस्थित कक्षाओं का बना संकट, भवन निर्माण का बजट हो चुका है लेप्स, समाधान लटकने के आसार

हरिभूमि न्यूज >>> नांगल चौधरी

शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज के ग्राउंड पर मालिकाना हक पाने का विवाद दुबारा जीवित हो गया। जमीन के एक हिस्सेदार ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पीटीशन दायर करके मामला दुबारा सुनने की गुहार लगाई है। अदालत ने पीटीशन को स्वीकृत करके उच्चतर शिक्षा निदेशालय को नोटिस जारी कर दिए, जिससे भवन निर्माण की प्रक्रिया अटक गई है। बिल्डिंग के

कॉलेज प्रशासन की ओर से इंकार करने पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन राहत नहीं मिली। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया, लेकिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने याचिका को डिसमिस कर दिया। इसके बाद कॉलेज प्रशासन को सुविधाजनक बिल्डिंग उपलब्ध होने की उम्मीद हुई थी।

आभाव में विद्यार्थियों को नियमित कक्षाएं लेने में परेशानी हो रही है, वहीं कॉलेज की विभिन्न गतिविधियां प्रभावित हैं। आपको बता दें कि शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज का सरकारीकरण 1996 में किया गया था। सरकार के निर्देशानुसार सभी कर्मचारियों को नियमित करने के साथ संस्था को विभागीय सुविधाएं उपलब्ध करवा दी गईं। उस दौरान जमीन के मापदंड

भवन निर्माण की प्रक्रिया अटकी

प्राचार्य डॉ. अनिल यादव ने बताया कि कॉलेज के ग्राउंड में धर्मार्थ प्लाऊ की जमीन शामिल है, जिसके कई हिस्सेदार हैं। एक हिस्सेदार ने अपना हिस्सा वापस लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस दायर कर दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने याचिका को डिसमिस कर दिया था, लेकिन याचिकाकर्ता ने अदालत में रिव्यू पीटीशन दायर कर दी, जिस कारण बजट एस्टिमेंट तैयार नहीं हो पाया है। अदालत का निर्णय आने पर ही आगामी कार्रवाई संभव हो पाएगी। उन्होंने बताया कि कॉलेज की कक्षाएं सुचारु रूप से चल रही हैं।

पुरे करने के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल का ग्राउंड कॉलेज के नाम कराया गया। ग्राउंड के साथ में चौधरी परिवार की संयुक्त जमीन लगती है, जिसके हिस्सेदारों ने स्वेच्छा से जमीन को कॉलेज के नाम डोनेट कर दिया था। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू करते हुए उच्चतर शिक्षा निदेशालय को बजट के लिए पत्र लिखा गया, लेकिन इसी दौरान

अदालती प्रक्रिया में विद्यार्थियों की सुविधा अटकी

पुराने भवनों की दीवार भुरभुराने तथा छत से पानी टपकने की शिकायत मिलने पर पीडब्ल्यूडी विभाग ने कमरों का अवलोकन किया था। जर्जर स्थिति की पुष्टि होने पर भवनों को तुरंत गिराने रिपोर्ट डीएचई भेजी गई। इसके बाद विभाग ने करीब पांच करोड़ का बजट स्वीकृत करके नया कैपस निर्माण के निर्देश दिए, लेकिन अदालत में केस दायर होने पर निर्माण प्रक्रिया अटक गई, बजट लैप्स हो चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट में केस का निपटारा होने पर बजट सैक्सन हो सकेगा।



महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

बीआर स्कूल में सम्मान समारोह

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ एवं बेस्ट टीचर ऑफ द मंथ सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कक्षा प्रथम से बारहवीं तक प्रत्येक कक्षा के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, नियमित उपस्थिति, समयपालन एवं सर्वांगीण प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही व्यक्ति को सफलता के शिखर तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों एवं उत्कृष्ट व्यक्तित्व का विकास करना भी है। समारोह के दौरान प्राथमिक विंग से मन्ता जांगड़ा को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कार्य, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासित कक्षा संचालन एवं प्रभावी शिक्षण शैली के लिए बेस्ट टीचर ऑफ द मंथ सम्मान प्रदान किया गया। वहीं सेकेंडरी विंग से टीजे यादव को उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण, नवाचारपूर्ण शिक्षण एवं अनुकरणीय कार्यशैली के लिए बेस्ट टीचर ऑफ द मंथ सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-विह्न प्रदान किए गए। विद्यालय परिचार ने सभी विजेताओं को शुभकामना देते हुए मविध्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज >>> नारनौल

गांव सेका में शनिवार का दिन आस्था, राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के नाम रहा। गांव में एक ओर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। वहीं दूसरी ओर हरियाणा पुलिस के उप निरीक्षक राजबीर सिंह कमांडो के स्वेच्छक सेवानिवृत्ति उपरांत नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके सम्मान में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सुबह 7:30 बजे मंदिर प्राणण से निकली भव्य कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर गांव के प्रमुख मार्गों की परिक्रमा की। कथाव्यस परम पूज्य



नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व कलश यात्रा निकालते ग्रामीण।

फोटो: हरिभूमि

आचार्य पंडित नरेंद्र मिश्र महाराज ने व्यासपीठ से श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का शुभारंभ किया। कथा प्रतिदिन प्रातः 11:15 बजे से दोपहर 3:15 बजे तक आयोजित होगी तथा आठ अगस्त को विशाल भंडारे एवं पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगी। इस पावन अवसर पर हरियाणा पुलिस में 34 वर्षों से अधिक की निष्कलक एवं समर्पित सेवा देने वाले सेक-

गुरुकुलम स्कूल की छात्रा निकिता बनी जिला विजेता

नांगल चौधरी। द गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के चेयरमैन अमय सिंह गुर्जर ने जिला स्तरीय खेलकूद में विजेता रही छात्रा निकिता कुमारी को सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के पढ़ाई के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं से लगाव बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि छात्रा निकिता कुमारी ने कड़े मुकाबले में एकाग्रता को विफल नहीं होने दिया। एक



राउंड में पिछड़ने के बावजूद उन्होंने जुनून को बनाए रखा। अंतिम राउंड के मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन और प्रतिभा का परिचय दिया। निकिता की यह सफलता उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन ने निकिता को सम्मानित करते हुए कहा कि गुरुकुलम स्कूल विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास के लिए भी लगातार प्रेरित करता है। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन धर्मबीर सिंह, निदेशक राजपाल यादव, प्राचार्य निर्मला चौधरी आदि मौजूद रहे।



देवयानी की हैंडबॉल अंडर 14 लड़कों की टीम रही प्रथम

महेंद्रगढ़। जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में आयोजित की जा रही है, जिसमें अंडर-14 आयु वर्ग में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली लड़कों की टीम ने हैरिटेज स्कूल ने युरो इंटरनेशनल स्कूल को हराया और देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल की टीम ने आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल कनीनो की टीम को हराया, फाइनल में हैरिटेज स्कूल को मात देते हुए देवयानी इंटरनेशनल स्कूल की टीम जिला स्तर पर प्रथम स्थान, हैरिटेज स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 वर्ग में प्रथम मैन एम आर मित्रपूरा को गवर्नमेंट स्कूल खुडाना ने हराया, आर आर सीएम कनीनो ने एमआर मित्रपूरा को हराया, आरपीएस इंटरनेशनल कनीनो ने गवर्नमेंट स्कूल खुडाना को हराया। जिलेभर से आने वाले सभी टीमों के बीच रोचक मुकाबला रहा, लेकिन वर्षा होने पर अंडर 17 और अंडर-19 आयु वर्ग में सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला स्थगित कर दिए। इन सभी टीमों का मुकाबला सोमवार को करवाया जाएगा। बाइर से आए हुए सभी इयूटी प्रमारी का खेल को समाान को और ले जाने अपना पूरा सहयोग दिया।

सूचना

मैं अनिल गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता वार्ड नंबर 22 मोहल्ला पुरानी सराय नारनौल जिला महेंद्रगढ़ बनाम करता हूं कि मेरी पुत्री के 10वीं की सर्टिफिकेट (रोल नंबर 17208278 व रजि. नंबर H125/41530/0064) में पिता का नाम अनिल कुमार गुप्ता दर्ज है जोकि गलत है। सही नाम अनिल गुप्ता है। पुत्री की 10वीं सर्टिफिकेट में पिता का नाम अनिल गुप्ता किया जाए।



महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

टैगोर स्कूल में बास्केटबॉल के मुकाबले

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग के अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के मुकाबले पूरे उत्साह एवं रोमांच के साथ खेले गए। प्रतियोगिता की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टैगोर ग्रुप ऑफ स्कूल के डायरेक्टर राहुल यादव रहे। इस अवसर पर खेल पर्यवेक्षक राजेश शर्मा झाड़ली एवं दीपक शर्मा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में स्पोर्ट्स को-ऑर्डिनेटर संजीव, डीपीई, राजकीय विद्यालय रातां कलां तथा नीरज, डीपीई, राजकीय विद्यालय भोजवास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में आरपीएस महेंद्रगढ़ ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रगढ़ को पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। अंडर-17 वर्ग के पहले मुकाबले में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने यदुवंशी स्कूल नारनौल को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। कोर्ट नंबर-2 पर आरपीएस नारनौल और एसडी स्कूल काकराला के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया,

जिसमें एसडी स्कूल काकराला ने अंतिम क्षणों में शानदार जीत दर्ज की। कोर्ट नंबर-1 पर जीएलपी स्कूल, कनीनो और यदुवंशी स्कूल, महेंद्रगढ़ के बीच हुए मुकाबले में यदुवंशी स्कूल, महेंद्रगढ़ ने जीत हासिल की। अंडर-17 वर्ग के दूसरे दौर में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल और एसडी स्कूल काकराला के बीच हुए मुकाबले में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया। मुख्य अतिथि राहुल यादव ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करते हैं। समाचार लिखे जाने तक अंडर-17 वर्ग में आरपीएस नारनौल और यदुवंशी स्कूल, महेंद्रगढ़ के बीच मुकाबला जारी था, जबकि दूसरे कोर्ट पर अंडर-19 वर्ग में यदुवंशी स्कूल, नारनौल और आरपीएस महेंद्रगढ़ के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जा रहा था। इस मौके पर उप-प्रधानाचार्य सुनील कुमार, पीजीटी हेड निशित शर्मा, कोच कृष्ण कुमार, कोच रविंद्र सहरावत सहित विभिन्न विद्यालय के शिक्षक, खेल अधिकारी, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

सीबीएसई क्लस्टर में यदुवंशी के खिलाड़ियों ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

हरिभूमि न्यूज >>> महेंद्रगढ़

यदुवंशी के खिलाड़ियों ने सीबीएसई क्लस्टर में खो-खो प्रतियोगिता में लड़कों की आयु वर्ग 17 व 19 में तृतीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। शारीरिक शिक्षक सुभाषचंद व नवीन यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता विवेकानंद पब्लिक स्कूल लाखनौर रेवाड़ी में 26 से 28 जुलाई के बीच हुई। इसमें राज्य के सीबीएसई स्कूलों की खो-खो टीमें ने भाग लिया। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यदुवंशी के छात्र हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। खेलों में यह उपलब्धि



महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

यह दर्शाती है कि विद्यार्थी शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त हैं। विद्यालय हमेशा ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर देता रहेगा। ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि यह जीत केवल

एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, समर्पण और आत्मविश्वास का परिणाम है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव व वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव ने पूरी खो-खो टीम को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी, नशामुक्ति अभियान का बनेगा अब तक का सबसे बड़ा मंच

दौड़ के दौरान महेंद्रगढ़ रोड महावीर चौक से लहरोदा तक वाहनों के लिए बंद रहेगा

खबर संक्षेप शिव भोलेनाथ कांवड़ सेवा शिविर 5 से 11 तक

महेंद्रगढ़। श्री श्याम सेवा मंडल जाटवास बेरी की बैठक जाटवास मोड धन्नी देवी धर्मशाला स्थित हनुमान मंदिर में हुई। इसकी अध्यक्षता संस्थापक एवं प्रधान रमेश शर्मा ने की। मंडल के सचिव विकास शर्मा ने बताया कि संस्था की ओर से सावन मास में पांच से 11 अगस्त तक शिविर लगाया जाएगा। सभी शिव भक्त पदयात्रियों के लिए शुद्ध देसी घी से बने भोजन व नहाने धोने तथा रात्रि विश्राम की 24 घंटे अच्छी व्यवस्था की जाएगी। पांच अगस्त वार बुधवार को प्रातः 10:00 बजे गुरु कमल कांत पुजारी निज मंदिर जोरसी धाम के सानिध्य में एवं विधायक कंवर सिंह यादव मुख्य अतिथि होंगे।

पुलिस ने नाबालिग को झारखंड से किया बरामद

नारनौल। थाना नांगल चौधरी क्षेत्र से 21 जुलाई को एक नाबालिग लड़की अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिवर्जनों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारों एवं अन्य संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 22 जुलाई को थाना नांगल चौधरी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लड़की की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने लगातार तकनीकी एवं मानवीय सूचनाओं के आधार पर गहन खोजबीन की। पुलिस के प्रयासों के परिणामस्वरूप एक अगस्त को नाबालिग लड़की को थाना देवीपुर झारखंड क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया।

मुनि आज से 4 माह देंगे संस्कारों का संदेश

नारनौल। जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व चातुर्मास दो अगस्त से शुरू होगा। वर्षा ऋतु के चार महीनों में दिगंबर जैन आचार्य, मुनि व आर्थिकाएं एक स्थान पर विराजमान रहकर प्रवचन, स्वाध्याय, तप, त्याग और धर्म प्रभावना के माध्यम से समाज को संयम तथा संस्कारों का संदेश देंगे। इस बार मुनि सागर महाराज, मुनि विभोर सागर महाराज, मुनि सानंद सागर महाराज के चातुर्मास स्थापना समारोह व कलश स्थापना के आयोजन होंगे। जैन समाज प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि चातुर्मास के दौरान गुरु पूर्णिमा, वीर शासन जयंती, दशलक्ष्ण महापर्व, अनंत चतुर्दशी, क्षमावाणी पर्व और भगवान महावीर मोक्ष कल्याणक सहित धार्मिक आयोजन होंगे।

कार्यकर्ता नूंह-मेवात के समारोह में होंगे शामिल कनीना। देश के कट्टार किसान नेता एवं पूर्व उप-प्रधानमंत्री रघु. चौधरी देवीलाल की जयंती आगामी 27 सितंबर को नूंह-मेवात में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। इस समारोह को यादगार बनाने के लिए अटेली हलके में इनेलो पदाधिकारियों की ओर से जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। अगिहार निवासी एवं अटेली हलके से इनेलो के युवा हलका अध्यक्ष सुधीर यादव एडवोकेट ने बताया कि समारोह को एक विशाल जनसभा का रूप दिया जाएगा। जिसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ओर से पूरे क्षेत्र में एक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत कार्यकर्ता प्रत्येक गांव व दाणी तक पहुंचकर नागरिकों को निर्मात्र देंगे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड़ा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य लाजा, प्रेम वल, तरुण कपूर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फ़ोन : 8295738500, 9253681005

हाफ मैराथन को लेकर जिलावासियों में जबरदस्त उत्साह, 53 हजार से अधिक ने कराया पंजीकरण

जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित यह मैराथन जिला इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सामाजिक और खेल कार्यक्रम साबित होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को देखते हुए नौ अगस्त को सुबह 5:30 से ही महेंद्रगढ़ रोड महावीर चौक से लहरोदा तक वाहनों के लिए बंद रहेगा। इसी प्रकार रेवाड़ी और सिंधाना रोड भी हरी होंडा चौक से लेकर रेवाड़ी रोड स्थित गंदा नाला तक बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि इस हाफ मैराथन में कुल 53437 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इस संख्या



अधिक 51491 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। वहीं 10 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण श्रेणी में भी 1946 धावक अपनी शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन करने उतरेंगे। 10 किलोमीटर की दौड़ के लिए 100 रुपये फीस है।

पुख्ता व्यवस्था की गई

उन्होंने बताया कि मैराथन को लेकर बीते कई हफ्तों से शहर से लेकर गांवों तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे थे, जिसका सुखद परिणाम आज इस रिकॉर्ड पंजीकरण के रूप में सामने आया है। रूट मैप, सुरक्षा व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा और पेयजल की पुख्ता व्यवस्था की गई है। नौ अगस्त की सुबह जिले के लिए एक ऐतिहासिक सुबह होगी, जब हजारों कदम एक साथ नशा मुक्ति के संकल्प के साथ दौड़ते हुए नजर आएंगे।

विजेताओं को मिलेंगे नकद पुरस्कार व मेडल

10 किलोमीटर दौड़ में महिला व पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को एक-एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान पर 50-50 हजार रुपये और तृतीय स्थान पर रहने वाले धावकों को 25-25 हजार रुपये की नकद राशि दी जाएगी। वहीं पांच किलोमीटर दौड़ के सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर उनका हौसला बढ़ाया जाएगा, जबकि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को मुख्यमंत्री स्वयं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित करेंगे।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक में उच्चस्तरीय निर्णयों पर चर्चा

हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी अधिनियम रहा बैठक का सबसे महत्वपूर्ण विषय

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला बैठक शनिवार को बिजली घर परिसर में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राजबीर शेखावत ने की। संचालन जिला सचिव चिंतामणि गुप्ता ने किया। बैठक में मुख्य रूप से भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष आशीष गोरा ने शिरकत की। बैठक में 30 जुलाई को शक्ति भवन पंचकुला में हरियाणा के चारों बिजली निगमों के प्रबंध निदेशकों व अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के प्रदेश नेतृत्व के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी जिला कार्यकारिणी को दी गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कर्मवीर जाखड़ ने बताया कि 30 जुलाई को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता एचवीजीसीएल/ एचवीपीएनएल निगम प्रबंधन एवं प्रशासन की ओर से आदित्य दहिया ने की। बैठक में डीएचबीवीएन एवं यूएचबीवीएन के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह सहित चारों बिजली निगमों के दो दर्जन से अधिक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष जसवंद्र दुहन के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारियों ने अनुबंधित कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को मजबूती से रखा। उन्होंने बताया कि बैठक का सबसे महत्वपूर्ण विषय हरियाणा



नारनौल। बैठक करते संघ पदाधिकारी।

संविदात्मक कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम (जांब सिक्योरिटी एक्ट) रहा। निगम प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि 15 अगस्त से पूर्व सभी पात्र कर्मचारियों का डाटा संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा पोर्टल पर सत्यापित कर दिया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र कर्मचारी सेवा सुरक्षा अधिनियम के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमेश जांगिड़, उपाध्यक्ष सोनू यादव, उपाध्यक्ष मुकेश भट्टी, सह सचिव अनूप, संगठनकर्ता प्रवीण डीईओ, जिला सलाहकार सुरज कौशिक, जिला प्रेस सचिव अशोक सैनी, सह कोषाध्यक्ष मोहन डीईओ, जिला कार्यकारिणी सदस्य फूल सिंह, अजीत यादव व बलवीर यादव उपस्थित रहे।

25 सूत्रीय मांग-पत्र पर वार्ता के लिए बैठक 5 अगस्त को

संगठन की ओर से इयूटी के दौरान दिवंगत हुए 99 अनुबंधित कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार उपलब्ध करने का विषय भी प्रमुखता से उठाया गया। इसके अतिरिक्त कैथल के हटाए गए कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति तथा वर्तमान उपमेवता संख्या के अनुसार बिजली निगमों की री-स्ट्रक्चरिंग कर आवश्यक पदों में वृद्धि करने पर भी चर्चा हुई। जिला सचिव चिंतामणि गुप्ता ने बताया कि अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ द्वारा विभाग को सौंपे गए 25 सूत्रीय मांग-पत्र पर अधीक्षण अभियंता सर्कल डीएचबीवीएन नारनौल ने संगठन लेते हुए संगठन के साथ वार्ता के लिए पांच अगस्त को कार्यालय में बैठक निर्धारित की है। अंत में अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राजबीर शेखावत ने कहा कि यह बैठक प्रदेश के हजारों अनुबंधित विद्युत कर्मचारियों के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

सिसोद में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक

महेंद्रगढ़। लिंग अनुप्रात में सुधार और गर्भवती महिलाओं को मातृत्व सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुजान आरोग्य मंदिर सिसोद में आशा कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राहुल चौपड़ा ने आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में गर्भवती का पता चलते ही 10 सप्ताह के भीतर गर्भवती महिलाओं का अनिवार्य पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। इससे जन्मा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य की समय पर निगरानी, जांच और ज्वित देखभाल संभव हो सकेगी। डॉ. चौपड़ा ने कहा कि लिंग अनुप्रात को संतुलित करना और मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस लक्ष्य को पाने में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बैठक में आयुजान आरोग्य मंदिर सिसोद के अंतर्गत आने वाले गांव सिसोद, गगड़ाना और पालडी की सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रही।

खुले तारों से करंट की चपेट में आकर आए दिन मर रहे मोर

हरिभूमि न्यूज ►► मंडी अटेली

अटेली गांव गुजरवास में बिजली के ट्रांसफार्मरों पर लगे खुले तारों के कारण राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को एकबार फिर एक मोर करंट लगने से मारा गया। इससे ग्रामीणों में आक्रोश और बढ़ गया है। इससे पहले बुधवार को ओमप्रकाश सेन के घर के पास लगे ट्रांसफार्मर पर तीन मोर करंट की चपेट में आ गए थे।

ग्रामीण कन्हैया लाल, सुदेश, संतोष, सुभमा, हिना, कांता, कनिका, सुनील, कपिल, कृष्णा, लाली देवी, बिल्लू, रामनिवास,



मंडी अटेली। राष्ट्रीय पक्षी को दिखाती गांव की महिलाएं।

फोटो:- हरिभूमि

अनिल, महेंद्र सिंह, विक्रम आदि ने बताया कि अनुसूचित बस्ती से लेकर कन्या स्कूल तक, महिलाएं लखेरा, ओमप्रकाश के घर के पास लगे हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मरों पर मोर दर्जन मोर मर चुके हैं।

बोचड़िया में वाटर कूलर किया स्थापित

मंडी अटेली। गर्मी के इस मौसम में आमजन एवं विद्यार्थियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की गई है। पंचायत घर के पास स्थित मोड़ी टोपो स्टैंड पर ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध करने के लिए वाटर कूलर स्थापित किया गया है। इस जनहितकारी कार्य का शुभारंभ भाजपा नेता कुलदीप यादव द्वारा किया गया। उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि समाज में सेवा और परीपेकार की भावना को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है इस प्रकार के कार्य समाज में भाईचारे और मानवता को मजबूत करते हैं। इस मौके पर विद्यालय के प्रिंसिपल अजीत सिंह, प्रवक्ता अशोक, वाइस प्रिंसिपल सुमन खन्ना, सोमेश्वर यादव, प्रवीण कुमार, राजेंद्र, एडवोकेट सुरेश खरपंच गढ़ी, सुनील पडन, बिट्टू लाम्बा गढ़ी, पिंटू चौहान, राजवीर मोड़ी, लक्ष्मी नारायण आदि मौजूद थे।

यह कहते हैं जागरूक नागरिक

जागरूक नागरिक महेंद्र सिंह खन्ना, महाशय लाजपत सिलारपुरिया, हरकेश और अनुपम गौड़ सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पेयजल वाल्व के आसपास की गंदगी तत्काल हटाई जाए, खुले चैम्बर को सुरक्षित ढंग से बंद किया जाए तथा नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कॉलोनी में आबारा सांड, गाय और कुत्तों की आवाजाही के कारण गंदगी और अधिक फैलती है, इसलिए इस समस्या के भी स्थायी समाधान की आवश्यकता है। नागरिकों ने स्पष्ट किया कि शहर की सफाई केवल वीआईपी दौरो तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

नागरिकों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी कई बार संबंधित विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई



नारनौल। सड़क के साथ पानी के वाल्व के पास फैली गंदगी। फोटो:- हरिभूमि

खुले चैम्बर में गिरकर किसी राहगीर या बच्चे के घायल होने की भी आशंका जताई जा रही है। स्थानीय

खुले चैम्बर में गिरकर किसी राहगीर या बच्चे के घायल होने की आशंका

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के सामने की सड़क बढहाल

शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का गेट नंबर-2 प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर खड़े कर रहा सवाल

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

आगामी 9 अगस्त को प्रस्तावित जिला स्तरीय हाफ मैराथन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आमजन से पहले नारनौल शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का गेट नंबर-2 प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। कॉलोनी के

मुख्य प्रवेश मार्ग पर स्थित पेयजल आपूर्ति के मुख्य वाल्व के आसपास लंबे समय से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इतना ही नहीं, वाल्व का चैम्बर भी खुला पड़ा है, जिससे दुर्घटना की आशंका के साथ-साथ पेयजल की शुद्धता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

इसी वाल्व से पूरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पेयजल की आपूर्ति होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाल्व के आसपास फैली गंदगी और खुले चैम्बर के कारण किसी भी समय दूषित तत्व जलापूर्ति व्यवस्था तक पहुंच सकते हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा बना हुआ है। वहीं,



मित्रता दिवस विशेष



सफलता-सुकून-समृद्धि
खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कंप्यूटर जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटेर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको



नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गुगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स

और स्टीव वॉज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने



या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉमिंगटन एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़ते निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरोल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

न्यू टेंड शैलेंड सिंह

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अम्मुन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस आभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक,



लिंकडइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *

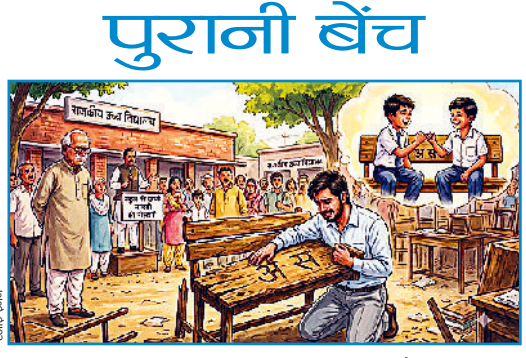


दोस्त के हंसते ही...

मुस्कुराने से अगलतास भी खिल उठता था दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था ऐसे मिलता था वो जगहों से हो रिश्ता जैसे पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था उसकी यादों में मुकम्मल-सा जगह है अपना उसके होने का अहसास भी खिल उठता था छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूर्त उसकी जुबिश से नक्काश भी खिल उठता था साथ रखता था वो यूँ कांथे पे करीने से उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

लघुकथाएं

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपस) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठ कर करते थे। अंगुठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भरांप स्वर

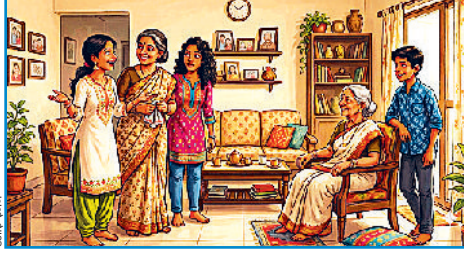


में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

- डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अलहड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दखिल हुईं, जैसे कॉलेज कैम्पस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें न कुछ छुपने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाने। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात



में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सधापन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन को कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

- डॉ. मोनिका शर्मा

संगीत के अनछुए सुर

प्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर



बैचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गुंजती घंटियों के बीच बिरमिल्लाह खां की शहनई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अप्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, लेखक: देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

देश के कोने-कोने का भरोसा

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनदारी है!



धार्मिक स्थल

शिखर चंद जैन

महादेव के प्रमुख गण नंदी देव की भव्य-अनूठी प्रतिमाएं

शिव आराधना का विशेष पावन माह सावन आरंभ हो चुका है। इस दौरान भक्तगण विशेष तौर पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। शिव के साथ उनके प्रिय गण नंदी महाराज भी पूजे जाते हैं। देश के कई मंदिर ऐसे हैं, जो भव्य नंदी प्रतिमाओं के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थित ऐसे ही कुछ मंदिरों के बारे में बता रहे हैं आपको, जहां नंदी महाराज अपने भव्य स्वरूप में विराजमान हैं।

काले ग्रेनाइट से बनी विशाल प्रतिमा चामुंडी पहाड़ी का नंदी मंदिर, मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में चामुंडी पहाड़ियों में स्थित प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर की चढ़ाई के रास्ते में लगभग 700वीं सीढ़ी पर स्थित यह नंदी प्रतिमा भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इस भव्य प्रतिमा का निर्माण वर्ष 1659 में मैसूर के महाराजा डोड्डा देवराजा वोडेयार के शासनकाल में हुआ था। 16 फीट ऊंची और 24 फीट लंबी यह प्रतिमा पूरी तरह से काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। नंदी के गले में लटकती हुई सुंदर घंटियों की श्रृंखला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस मंदिर में सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दर्शन सुलभ हैं। *

दुनिया की सबसे बड़ी नंदी प्रतिमा महानंदीश्वर स्वामी मंदिर, कर्नूल

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में स्थित महानंदी मंदिर, वास्तुकला का शिखर माना जाता है। चारों ओर नौ नंदी मंदिरों (नवमंदुलु) से घिरे इस क्षेत्र का मुख्य आकर्षण, यहां स्थापित विशाल नंदी देव हैं। इसे दुनिया की सबसे विशाल नंदी प्रतिमा माना जाता है, जो एक ही पत्थर से तराशी गई है। मंदिर के गर्भगृह के ठीक नीचे एक प्राकृतिक औषधीय जल स्रोत कल्याणी है, जहां पूरे साल लगातार पानी बहता रहता है। इस पानी का स्रोत आज तक एक रहस्य है। यहां सुबह 4:45 से रात 8:30 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल बृहदेश्वर मंदिर नंदी, तंजावुर

चोल राजवंश के राजा राजराजा चोल प्रथम द्वारा निर्मित, तमिलनाडु में स्थित यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर का हिस्सा है। यहां मंदिर के ठीक सामने मंडप में एक विशालकाय नंदी स्थापित है। यह प्रतिमा लगभग 12 फीट ऊंची, 19.5 फीट लंबी और इसका वजन करीब 25 टन है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस नंदी प्रतिमा का आकार लगातार बढ़ रहा था। इसे रोकने के लिए प्राचीन शिल्पकारों ने नंदी की पीठ पर एक विशेष कील लगा दी। यहां सुबह 6:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और शाम 4:00 बजे से रात 8:30 बजे तक दर्शन कर सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *

वन संपदा / वीणा गौतम

भा

रत के पूर्वी तट पर फैला सुंदरवन, केवल दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन ही नहीं बल्कि एक ऐसा सांस्कृतिक स्थल भी है, जहां मनुष्य और प्रकृति का अनोखा संतुलन दिखाई देता है। गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियों के डेल्टा की यह धरती, जितनी हरी-भरी और उपजाऊ है, उतनी ही रहस्यमयी भी है।

प्रवेश से पूर्व वनदेवी की पूजा: सुंदरवन की सबसे अनोखी पहचान है इसकी लोकआस्था, जो इतनी रहस्यमयी और गहरी है कि इसकी कोई अनदेखी नहीं करता। यहां के लोग जब भी जंगल में प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले जंगल की देवी 'बोनबिबी' की पूजा करते हैं। माना जाता है कि सुंदरवन में जाने वाले लोगों की अमानवीय शक्तियों से बोनबिबी ही रक्षा करती हैं। बोनबिबी के साथ ही यहां दक्षिण राय देवता की भी पूजा होती है, जिन्हें बाघों का कुलदेवता माना जाता है। कहते हैं, कई बार बाघों के ये कुलदेवता दक्षिण राय खुद भी बाघ बनकर वन में घूमते हैं, ताकि वन के अंदर प्रवेश करने वाले मनुष्यों की परीक्षा ले सकें। वास्तव में सुंदरवन में प्रकृति का सम्मान

अपने देश के पूर्वी तट पर स्थित सुंदरवन ऐसा अनोखा वन प्रदेश है, जो कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस वन की विशेषताओं और इससे जुड़ी लोक मान्यताओं पर एक नजर।

लोकआस्था-पारिस्थितिकी का अनोखा संगम है सुंदरवन

महत्वपूर्ण माना जाता है।

निहित है प्रकृति सुरक्षा की भावना: सुंदरवन से गुजरने वाली नदियां और घने मैंग्रोव वन इसे, एक रहस्यलोक बनाए हुए हैं। इसी भय से बचने के लिए लोग सुंदरवन की अदृश्य शक्तियों की पूजा करते हैं। स्थानीय लोग सैकड़ों ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि जब भी कोई बिना श्रद्धा या सुंदरवन के नियमों की अवहेलना करते हुए अंदर गया तो वह या तो भटक गया है या जंगली जानवरों का शिकार हो गया। बाघों की मौजूदगी के अलावा सुंदरवन में जहरीले सांप भी निवास करते हैं। बोनबिबी-जहूरनामा नाम का एक लोककाव्य भी है, जिसमें मनुष्य और जंगल के बीच संघर्ष और संतुलन की काव्य कथा है। इस कथा और इस जैसी अनेक कथाओं का सार ही है कि सुंदरवन केवल भौतिक वन नहीं है, यह एक जीवित चेतना का रहस्यगान है।

समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र: सुंदरवन का जितना लोकआस्था और प्राकृतिक महत्व है, उससे भी कहीं ज्यादा भारत की समृद्ध पारिस्थितिकी में इसकी भूमिका है। राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यावरण के



शिल्प कला का अद्भुत चमत्कार लेपाक्षी नंदी (वीरभद्र मंदिर), अनंतपुर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक लेपाक्षी मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर यह अत्यंत सुंदर और विशाल नंदी प्रतिमा स्थित है। ग्रेनाइट की एक ही चट्टान से बनी यह प्रतिमा 15 फीट ऊंची और 27 फीट लंबी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसके गले में उकेरी गई बारीक घंटियां, मालाएं और आभूषण हैं, जो विजयनगर साम्राज्य की उत्कृष्ट शिल्पकला को दर्शाते हैं। माना जाता है कि रामायण काल में जब रावण, माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब जटायु से उसका युद्ध इसी स्थान पर हुआ था। यहां सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

नेल्सन मंडेला के साथ क्रिस्टो ब्रैंड

ट्रांसवाल सरकार द्वारा लाए गए 'एशियाई पंजीकरण अधिनियम' के तहत भारतीयों को फिंगरप्रिंट देने और पंजीयन प्रमाण-पत्र साथ रखने के लिए मजबूर किया गया। इस दमनकारी नीति के खिलाफ गांधीजी ने वहां पहला अहिंसक सत्याग्रह शुरू किया। उस समय जनरल स्मट्स ट्रांसवाल के औपनिवेशिक सचिव थे। स्मट्स ने गांधीजी को कई बार जेल भेजा। 1908 में दोनों के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन स्मट्स अपनी बात से मुकर गए। इससे गांधीजी को बहुत निराशा हुई। वर्षों के संघर्ष, जेल जाने और भारतीयों के भारी विरोध के बाद, अंततः जनरल स्मट्स को झुकना पड़ा। 1914 में दोनों के बीच ऐतिहासिक 'गांधी-स्मट्स समझौता' हुआ। संघर्ष के बावजूद, दोनों ने एक-दूसरे के सिद्धांतों और व्यक्तित्व का बहुत सम्मान किया।

नेल्सन मंडेला-क्रिस्टो ब्रैंड: नेल्सन मंडेला और क्रिस्टो ब्रैंड की कहानी रंगभेद के खिलाफ संघर्ष और मानवता की जीत का एक बेहतरीन उदाहरण है। रॉबेन आइलैंड की जेल में, जहां क्रिस्टो जेलर थे, वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी दोनों के बीच एक गहरी और अटूट दोस्ती पनपी। क्रिस्टो ब्रैंड एक युवा श्वेत



नेल्सन मंडेला के साथ क्रिस्टो ब्रैंड

ट्रांसवाल सरकार द्वारा लाए गए 'एशियाई पंजीकरण अधिनियम' के तहत भारतीयों को फिंगरप्रिंट देने और पंजीयन प्रमाण-पत्र साथ रखने के लिए मजबूर किया गया। इस दमनकारी नीति के खिलाफ गांधीजी ने वहां पहला अहिंसक सत्याग्रह शुरू किया। उस समय जनरल स्मट्स ट्रांसवाल के औपनिवेशिक सचिव थे। स्मट्स ने गांधीजी को कई बार जेल भेजा। 1908 में दोनों के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन स्मट्स अपनी बात से मुकर गए। इससे गांधीजी को बहुत निराशा हुई। वर्षों के संघर्ष, जेल जाने और भारतीयों के भारी विरोध के बाद, अंततः जनरल स्मट्स को झुकना पड़ा। 1914 में दोनों के बीच ऐतिहासिक 'गांधी-स्मट्स समझौता' हुआ। संघर्ष के बावजूद, दोनों ने एक-दूसरे के सिद्धांतों और व्यक्तित्व का बहुत सम्मान किया।

नेल्सन मंडेला-क्रिस्टो ब्रैंड: नेल्सन मंडेला और क्रिस्टो ब्रैंड की कहानी रंगभेद के खिलाफ संघर्ष और मानवता की जीत का एक बेहतरीन उदाहरण है। रॉबेन आइलैंड की जेल में, जहां क्रिस्टो जेलर थे, वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी दोनों के बीच एक गहरी और अटूट दोस्ती पनपी। क्रिस्टो ब्रैंड एक युवा श्वेत

लिफ सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है। हर साल आने वाले भीषण तूफानों और चक्रवातों से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के हजारों लोगों की जान बचाता है तथा करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान को भी रोकता है। यहां के मैंग्रोव वन वातावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी हो जाती है। यह वन जैवविविधता का भी केंद्र है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ, दुर्लभ पक्षी, डॉल्फिन और सैकड़ों अन्य जीव प्रजातियां पाई जाती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियां मिलकर यहां एक विशाल डेल्टा बनाती हैं, जिससे यह क्षेत्र जलप्रवाह, मिट्टी और समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। **संरक्षण है जरूरी:** समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता और मानव अतिक्रमण के कारण सुंदरवन अब कमजोर हो रहा है। इस कमजोरी का असर केवल

आपकी एक और फिल्म 'आवारापन-2'

14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं ?

मैं 'आवारापन-2' को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अवतार में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन 'आवारापन-2' में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। 'आवारापन-2' में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया ?

इस फिल्म में मेरा किरदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म में कई सींस इमोशनल और हार्ट-टचिंग भी हैं। फिल्म की कहानी दिल को छूने वाली है, लिहाजा जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी तो मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी।

'आवारापन-2' में इमरान हाशमी के साथ आपकी रोमांटिक जोड़ी है। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

इमरान हाशमी रोमांटिक रोल के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में हमारी जोड़ी नए अंदाज में नजर आएगी। फिल्म में मुझे लीजेंड शबाना आज़मी की के साथ भी काम करने का मौका मिला, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।

हिंदी फिल्मों के अलावा आप एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं ?

हां, मैं 'हॉलीवुड फिल्म 'शाली गाडर्स सागा: द पोर्टल ऑफ फोर्स' से इंटरनेशनल डेब्यू कर रही हूं। यह एक सुपर नेचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन ऑस्कर विजेता केविन स्पेसी कर रहे हैं। *

आपकी भीड़ में खोने का डर नहीं लगा था ?

सच कहूं तो मैंने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं कि फिल्म में कितने कलाकार हैं। या फिल्म में मेरा रोल कितना है, क्योंकि फिल्म में अक्षय कुमार, जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

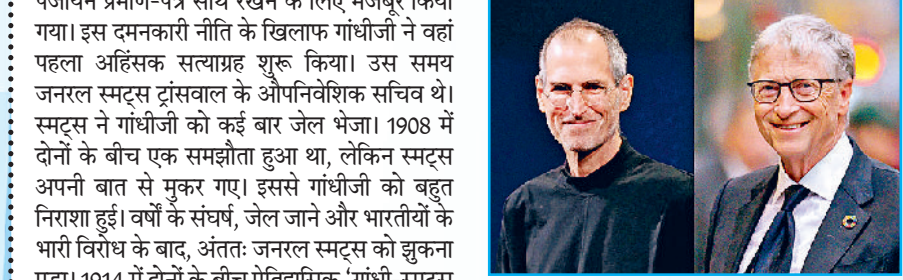
अगर मन साफ और नीयत ईमानदार हो तो प्रतिद्वंद्वी या विरोधी को भी दोस्त बनने में देर नहीं लगती। दुनिया की कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की अपने विरोधी से हुई दोस्ती इस बात की मिसाल पेश करती है। इनके बारे में जानना बहुत दिलचस्प है।

जिनसे थे कभी मतभेद उनसे भी हो गई दोस्ती



महात्मा गांधी और जनरल जॉन स्मट्स अफ्रीकी थे। उन्हें रॉबेन आइलैंड की जेल में तैनात किया गया। क्रिस्टो को शुरू में मंडेला के बारे में बताया गया था कि वह एक खतरनाक आतंकवादी हैं। लेकिन जब क्रिस्टो पहली बार मंडेला से मिले, तो मंडेला के शालीन, विनम्र और गरिमापूर्ण व्यवहार ने उन्हें चौंका दिया। एक बातचीत के दौरान जब क्रिस्टो ने पूछा कि क्या वे श्वेत लोगों से नफरत करते हैं, तो मंडेला ने जवाब दिया कि वह रंगभेद की दमनकारी व्यवस्था से नफरत करते हैं, श्वेत लोगों से नहीं। मंडेला की इस सोच और मानवता ने क्रिस्टो के विचारों को पूरी तरह बदल दिया। मंडेला की रिहाई के बाद भी दोनों की यह दोस्ती ताउम्र कायम रही।

स्टीव जॉब्स-बिल गेट्स: स्टीव जॉब्स (एप्पल के फाउंडर) और बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर) के बीच का रिश्ता प्रतिस्पर्धा, कड़वाहट और अंततः गहरी दोस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण था। 1980 और 1990 के दशक में उनकी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता इतनी गहरी थी कि स्टीव जॉब्स, माइक्रोसॉफ्ट पर अकसर विचार चुराने के आरोप लगाते थे, जबकि बिल गेट्स एप्पल के उत्पादों को नापसंद करते थे। 1997 में जब एप्पल दिवालिया होने की कगार पर था,



तब स्टीव जॉब्स ने वापस कंपनी की कमान संभाली। उस मुश्किल समय में बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एप्पल में 150 मिलियन डॉलर का निवेश करके कंपनी को बंद होने से बचाया था। इस कदम ने दोनों के रिश्ते की दिशा बदल दी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ करने लगे। यह दोस्ती स्टीव जॉब्स के निधन तक कायम रही। *

स्थानीय लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि समूचे पूर्वी भारत की जलवायु और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

सुंदरवन हमें एक अनूठा संदेश देता है कि आस्था और पारिस्थितिकी एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी हैं। यहां प्रचलित लोककथाएं केवल कल्पना नहीं हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के अपनी तरह के सांस्कृतिक उपक्रम हैं। जब मनुष्य, प्रकृति को देवता मानकर पूजा करता है, तो यह महज अंधविश्वास नहीं होता। इससे वह प्रकृति की महत्ता को समझता है तथा उसे नष्ट होने से बचाता है। सुंदरवन को बचाना केवल हमारी धार्मिक और आध्यात्मिक आस्थाओं को बचाना भर नहीं है बल्कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी है। इसलिए सुंदरवन को बचाए रखने का संकल्प सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के साथ-साथ जीवन की समृद्धि को भी बचाए रखने का भी संकल्प है। *

इसके अलावा मुझे डायेरेक्टर अहमद खान पर विश्वास था कि वह कलाकारों की मेहनत को बर्बाद नहीं होने देंगे। काफी हद तक मेरी सोच सही रही और फिल्म ने सफलता हासिल की। लोगों को फिल्म में मेरा काम भी पसंद आया। 'वेलकम टू द जंगल' में आपने पहली बार कॉमेडी की। कॉमेडी करना, वो भी दिग्गज कलाकारों के साथ किना आसान या मुश्किल रहा ?

अपने अब तक के करियर में पहली बार इस फिल्म में कॉमेडी करना मेरे लिए सबसे मुश्किल रहा। मैंने अक्षय सर, जानी लीवर सर, अरशद वारसी सर के साथ एक्टिंग करते वक्त कॉमेडी सीखी। इन सभी की कॉमेडी के दौरान टाईमिंग बहुत अच्छी है। बस मैं वहीं देख-देख कर कॉमेडी करने की कोशिश कर रही थी। इसके लिए मैं इन सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उनकी वजह से मैं कॉमेडी कर पाई।

अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी जैसे सीनियर एक्टरों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

सेट पर पिकनिक जैसा माहौल रहता था, कोई भी अपने आप को सीनियर दिखाने की कोशिश नहीं करता था। सुनील शेट्टी बहुत ही सीधे ईंसान हैं। दूसरी तरफ अक्षय कुमार उतने ही मस्तीखोर हैं। वह सबके साथ ना सिर्फ मस्ती करते रहते थे, बल्कि कोई ना कोई उनके प्रैंक का शिकार भी होता रहता था। 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

